स्वर ज्ञान

SAMPLE

विषय-सूची

क्र.सं.	विषय	पृष्ठ संख्या
1.	वर्णमाला	3
2.	दो अक्षर वाले शब्द	5
3.	तीन अक्षर वाले शब्द	6
4.	चार अक्षर वाले शब्द	7
5.	आ की मात्रा (ा)	9
6.	इ की मात्रा (ि)	12
7.	ई की मात्रा (ी)	15
8.	उ की मात्रा (ु)	18
9.	ऊ की मात्रा (ू)	21
10.	ऋ की मात्रा (ृ)	24
11.	ए की मात्रा (े)	27
12.	ऐ की मात्रा (ै)	30
13.	ओ की मात्रा (ो)	33
14.	औ की मात्रा (ौ)	36
15.	अं की मात्रा (ं)	39
16.	चंद्रबिंदु (ँ) का प्रयोग	42
17.	अः की मात्रा (:) विसर्ग	45
18.	र-रेफ (र्‍) का प्रयोग	47
19.	र-पदेन (्र, ्र) का प्रयोग	50
20.	आधे अक्षर	53
21.	संयुक्त अक्षर वाले शब्द	54
22.	बारहखड़ी	55

SAMPLE

1

वर्णमाला

स्वर : अक्षर जिनकी मात्राएँ लगती हैं:

अ आ इ ई उ ऊ ऋ

अः

ए ऐ ओ औ अं अः

व्यंजन : वे वर्ण जिन पर मात्राएँ लगती हैं।

ङ

क ख ग घ ङ

ञ

च छ ज झ ञ

SAMPLE

ण

ट	ठ	ड	ढ	ण

त	थ	द	ध	न

प	फ	ब	भ	म

य	र	ल	व	श

ष	स	ह	क्ष	त्र

ज्ञ	श्र	ड़	ढ़

SAMPLE

2

दो अक्षर वाले शब्द

फ + ल = फल

ब + स = बस

र + थ = रथ

व + न = वन

बोलकर पढ़िए और समझिए।

फल	नल	जल	कल	थल	पल
जग	मग	पग	खग	नग	लग
हट	रट	नट	तट	खट	वट
कर	घर	पर	डर	भर	दर
मन	धन	तन	जन	फन	वन
अब	कब	सब	जब	टब	तब

SAMPLE

3 तीन अक्षर वाले शब्द

क + ल + श = कलश

म + ट + र = मटर

ल + ह + र = लहर

ह + व + न = हवन

बोलकर पढ़िए और समझिए।

अगर	मटर	अमन	कनक	करम	महल	कलश
मगर	कहर	पवन	पलक	धरम	पहल	बतख
डगर	नहर	लगन	खनक	गरम	चहल	भगत
अमर	शहर	चमन	चटक	नरम	टहल	शहद
इधर	लहर	भजन	जनक	परम	कमल	समय
उधर	पहर	नमन	नमक	कलम	सरल	वतन

SAMPLE

4 चार अक्षर वाले शब्द

अ + ज + ग + र = अजगर

त + र + क + श = तरकश

थ + र + म + स = थरमस

ब + र + ग + द = बरगद

बोलकर पढ़िए और समझिए।

चमचम	अनबन	चटपट	कलकल	अनपढ़	अलवर
टमटम	बचपन	खटपट	मखमल	पतझढ़	नभचर
शबनम	पचपन	सरपट	दमकल	बड़बड़	जलचर
हरदम	कतरन	झटपट	खटमल	गड़बड़	थलचर
असलम	गरदन	नटखट	हलचल	अहमद	तरकश
बमबम	उपवन	जमघट	पलपल	बरगद	थरमस

SAMPLE

मात्राओं का ज्ञान

व्यंजन के साथ स्वर मिलाते समय जो चिह्न जोड़ा जाता है, उसे 'मात्रा' कहते हैं।

स्वर	मात्रा	लगने का स्थान	उदाहरण
अ	–	कोई नहीं	क् + अ = क
आ	ा	व्यंजन के दाएँ	क् + आ = का
इ	ि	व्यंजन के बाएँ	क् + इ = कि
ई	ी	व्यंजन के दाएँ	क् + ई = की
उ	ु	व्यंजन के नीचे	क् + उ = कु
ऊ	ू	व्यंजन के नीचे	क् + ऊ = कू
ऋ	ृ	व्यंजन के नीचे	क् + ऋ = कृ
ए	े	व्यंजन के ऊपर	क् + ए = के
ऐ	ै	व्यंजन के ऊपर	क् + ऐ = कै
ओ	ो	व्यंजन के दाएँ	क् + ओ = को
औ	ौ	व्यंजन के दाएँ	क् + औ = कौ
अं	ं	व्यंजन के ऊपर	क् + अं = कं
अः	ः	व्यंजन के दाएँ	क् + अः = कः

SAMPLE

5

आ की मात्रा –(आ 'ा')

अ + ा + म = आम   र + ा + ज + ा = राजा   ब + ा + ज + ा = बाजा

त + ा + ल + ा = ताला

आम	काम	दाम	नाम	राम
छाल	जाल	दाल	बाल	लाल
आया	खाया	छाया	पाया	माया
काला	ताला	नाला	माला	लाला

म + ा + ल + ा = माला

काजल	चावल	पागल	बादल
गागर	चादर	बाहर	सागर
अखबार	तलवार	दरबार	सरकार
आसमान	पकवान	पहचान	भगवान

च + ा + व + ल = चावल

अ + न + ा + र = अनार   ग + ा + ज + र = गाजर   ग + म + ल + ा = गमला

SAMPLE

बोलकर पढ़िए और समझिए-

तबला	अबला	कमला	सरला	चरखा
अचार	कहार	बहार	जहाज	अनार

टमाटर	अदालत	पाठशाला	डाकखाना
समाचार	भगवान	बराबर	पकवान

बच्चो, पढ़िए और गाइए-

मामा आए मामा आए।

लाल-लाल टमाटर लाए।

राम आ गाजर ला।

माता, गाजर का हलवा बना।

राजा आ अनार ला।

लाल-लाल अनार खा।

चाचा आया आम लाया।

गाजर टमाटर साथ लाया।

अध्यापन संकेत – इस पाठ में सभी प्रकार के शब्दों पर आ की मात्रा (ा) लगाकर उनका अभ्यास करवाया गया है। ऐसे अन्य शब्द भी बनवाएँ।

SAMPLE

अभ्यास

1. 'आ' की मात्रा 'ा' लगाकर शब्द बनाइए–

ट+म+......+ट+र= .... छ+......+त+...... = ...

अ+......+स+म+......+न= .... च+......+द+र= ....

क+......+ज+ल= .... ब+......+द+ल= ....

2. चित्र पहचानकर सही शब्द के आगे (✓) का चिह्न लगाइए–

गमला	
जहाज	
छाता	

आम	
बाग	
अनार	

टमाटर	
पालक	
गाजर	

बाजा	
हाथ	
माला	

3. शब्द चुनकर खाली स्थानों में भरिए–

राम का .... आया। (बाजा/मामा)

मामा .... लाया था। (आम/टमाटर)

राजा .... लाया था। (अनार/आम)

माता ने .... का हलवा बनाया। (गाजर/टमाटर)

4. बच्चो, सुलेख लिखिए–

मामा आए मामा आए लाल–लाल टमाटर लाए

....

....

SAMPLE

6

इ की मात्रा- (इ 'ि')

ि + ह + र + ण = हिरण

ि + ग + ल + ा + स = गिलास

ि + क + ल + ा = किला

खिल	तिल	दिल	बिल	मिल
गिन	जिन	दिन	पिन	बिन
किला	खिला	जिला	मिला	शिला
किया	जिया	दिया	लिया	सिया

ि + क + त + ा + ब = किताब

ि + प + न = पिन

किताब	गिलास	निवास	विकास
खटिया	टिकिया	डिबिया	बिटिया
गिरगिट	झिलमिल	रिमझिम	हिलमिल

न + ा + ि + र + य + ल = नारियल

ि + व + म + ा + न = विमान

SAMPLE

बोलकर पढ़िए और समझिए–

पालिश	मालिश	बछिया	सरिता
नदिया	बगिया	खटिया	तकिया
कालिख	बारिश	बढ़िया	मिलाप

किशमिश	झिलमिल	रविवार
परिवार	साइकिल	शनिवार

बच्चो, पढ़िए और गाइए–

दिन निकला, निशा गई।

विकास इधर आओ।

किताब पर चित्र बनाओ।

गिन-गिनकर हिसाब लिखो।

पिकनिक पर चलो।

विकास चिड़िया मत पकड़ो।

किरण बाजार जाकर मिठाई लाओ।

अध्यापन संकेत – इस पाठ में 'इ' की मात्रा (ि) का अभ्यास करवाया गया है। बच्चों को 'इ' तथा 'ई' की मात्रा के बीच का अंतर बताएँ तथा कुछ अन्य शब्दों का अभ्यास भी करवाएँ।

SAMPLE

अभ्यास

1. चित्र पहचानकर उनके नाम लिखिए–

2. 'इ' की मात्रा (ि) लगाकर शब्द पूरे कीजिए–

दिन	ध......नया	ड......लया
......दल	......वचार	......झल......मल
......च......ड़या	......व......नता	......मठाई

3. उचित शब्द चुनकर खाली स्थानों में भरिए–

विकास......................मत पकड़। (चिड़िया / हिरन)

किरण बाजार से......................ला। (मिठाई / गिलास)

............उठाकर बजा। (गिटार / किताब)

4. बच्चो, सुलेख लिखिए–

दिन निकला	किरण आ जा	किताब पढ़
....	....	....

SAMPLE

ई की मात्रा- (ई 'ी')

म + छ + ल + ी = मछली

ज + ी + भ = जीभ

च + ी + ल = चील

द + ी + प = दीप

खड़ी	घड़ी	छड़ी	बड़ी	लड़ी
कील	चील	झील	नील	रील
खीर	चीर	तीर	नीर	वीर
दानी	नानी	पानी	मानी	रानी
गीली	छीली	ढीली	नीली	पीली

ि + त + त + ल + ी = तितली

तितली	ढपली	नकली	मछली
दरबारी	तरकारी	पिचकारी	सरकारी

ब + क + र + ी = बकरी

ग + ग + र + ी = गगरी

SAMPLE

बोलकर पढ़िए और समझिए–

वकील	दलील	शीतल	शरीर
नगरी	नतीजा	कमीज	महीना
पालकी	मकड़ी	ककड़ी	मछली

दीपावली	शरारती	अफ़गानी	चपरासी
बरसाती	पिचकारी	आसमानी	नकलची

बच्चो, पढ़िए और गाइए–

एक थी मछली,
रहती थी गीली।

एक थी लीची,
थी बड़ी मीठी।

एक थी मीरा,
खाती थी खीरा।

एक थी नानी,
कहती थी कहानी।

अध्यापन संकेत – इस पाठ में 'ई' की मात्रा (ी) वाले शब्दों का पर्याप्त अभ्यास करवाया गया है। 'ई' की मात्रा का सही उच्चारण करवाइए।

SAMPLE

अभ्यास

1. वर्णों के साथ 'ई' की मात्रा (ी) लगाकर शब्द बनाइए–

इ + म + ल + ... = ...	ग + ग + र + ... = ...
ल + ... + च + ... = ...	अ + म + ... + र = ...
ल + ड़ + क + ... = ...	छ + त + र + ... = ...

2. चित्र देखकर उचित स्थान पर ई की मात्रा (ी) लगाइए–

स....ट....

पप....ता

गिलहर....

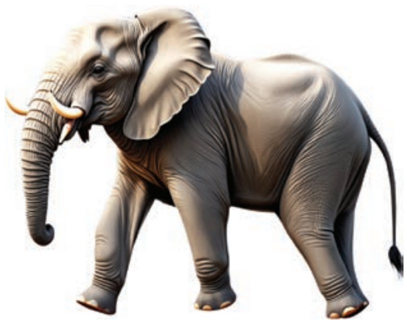

हाथ....

3. बच्चो, सुलेख लिखिए–

दीपक	तितली	दीपावली	मछली
....	....	....	....
....	....	....	....

SAMPLE

8

उ की मात्रा- (उ 'ु')

म + ु + ि + न = मुनि

ब + ग + ु + ल + ा = बगुला

प + श + ु = पशु

अनु	तनु	धनु	मनु	हनु
गुन	चुन	धुन	बुन	सुन
कुल	खुल	घुल	धुल	पुल
गुना	धुना	बुना	बुरा	सुरा

प + ु + ल = पुल

छ + ु + र + ी = छुरी

कछुआ	बगुला	यमुना	रुपया
गुड़िया	दुनिया	पुड़िया	बुढ़िया
जुलाहिन	पुजारिन	लुहारिन	सुनारिन

ग + ु + ल + ा + ब = गुलाब

क + ु + ि + ट + य + ा = कुटिया

SAMPLE

बोलकर पढ़िए और समझिए–

जामुन	सुनार	सुबह	रुपया
गुलाबी	पुलिया	मुकुट	जुराब
घुटना	दुलारी	सुराही	सुपारी
मुरगा	खुरपा	सुनना	बुखार

बुलबुल	फुलवारी	मुलायम	चुपचाप
पशुपति	मुसाफिर	चुटकुला	कुलदीप

बच्चो, पढ़िए और गाइए–

बुलबुल आ, बुलबुल आ,
मधुर-मधुर गीत सुना।
सुबह-सुबह फुर-फुर करती आ,
ठुमक-ठुमककर नाच दिखा।
बुलबुल मीठा गीत गाती,
सबका मन यह बहुत लुभाती।
डाल-डाल पर फुदक-फुदककर,
बुलबुल मीठा गीत सुनाती।

अध्यापन संकेत – इस पाठ में 'उ' की मात्रा (ु) से बने शब्दों का अभ्यास कराया गया है। 'र' में लगी 'उ' की मात्रा पर विशेष ध्यान दिलाइए।

SAMPLE

अभ्यास

1. चित्र पहचानकर शब्द पूरे कीजिए–

..........लाब   क..........आ   सा..........न

..........ड़िया   ब..........ला   ....हिया

2. वर्णों के साथ 'उ' की मात्रा ' ु ' लगाकर शब्द बनाइए–

दा + त + ... + न = ...   क + ... + स + ... + म = ...

जा + म + ... + न = ...   ब + ... + न + क + र = ...

क + ... + टि + या = ...   म + ध + ... + र = ...

3. चित्र पहचानकर सही शब्दों से मिलाइए–

धनुष

कुटिया

चुहिया

साबुन

SAMPLE

9

ऊ की मात्रा-(ऊ ' ू ')

फ + ू + ल = फूल

च + ू + ह + ा = चूहा

स + ू + र + ज = सूरज

भ + ा + ल + ू = भालू

झूल	धूल	फूल	भूल	मूल
कूट	फूट	बूट	लूट	सूट
आलू	कालू	तालू	भालू	शालू
कपूर	कसूर	खजूर	जरूर	हजूर
चूरन	पूरन	पूनम	मूरत	सूरत

अ + ा + ल + ू = आलू

करतूत	मजबूत	राजपूत	शहतूत
चूरचूर	भरपूर	मजदूर	मजबूर

म + ज + द + ू + र = मजदूर

म + य + ू + र = मयूर

बोलकर पढ़िए और समझिए-

फूल	खजूर	नूतन	लड़ाकू	फूलना
तूफान	नाखून	कपूर	बदबू	सूरत

अमरूद	कबूतर	तरबूज	खरबूजा
मजदूर	मजबूत	शहतूत	राजपूत
पतलून	फूलदान	राजदूत	चबूतरा

बच्चो, पढ़िए और गाइए-

भालू वाला आया, भालू लाया।

भालू झूम-झूम नाचता आया।

राजू मदारी कबूतर लाया, चूहा भी लाया।

राजू ने भालू को आलू खूब खिलाया।

कबूतर और चूहे ने भी आलू खाया।

भालू आया, झूमकर नाचा।

नाचकर सभी का मन लुभाया।

अध्यापन संकेत – इस पाठ में 'ऊ' की मात्रा (ू) का अभ्यास करवाया गया है। बच्चों को 'ऊ' की मात्रा का शुद्ध उच्चारण करवाएँ तथा कुछ अन्य शब्दों का अभ्यास भी करवाएँ। 'रू' खासतौर पर समझाएं।

SAMPLE

अभ्यास

1. वर्णों के साथ 'ऊ' की मात्रा (ू) लगाकर शब्द बनाइए–

झ + ... + ला = ... ख + र + ब + ... + जा = ...

ख + ज + ... + र = ... का + ज + ... = ...

आ + ड़ + ... = ... त + र + ब + ... + ज़ = ...

2. दिए गए चित्र में से 'उ' और 'ऊ' की मात्रा वाले शब्द छाँटकर रिक्त स्थानों में लिखिए–

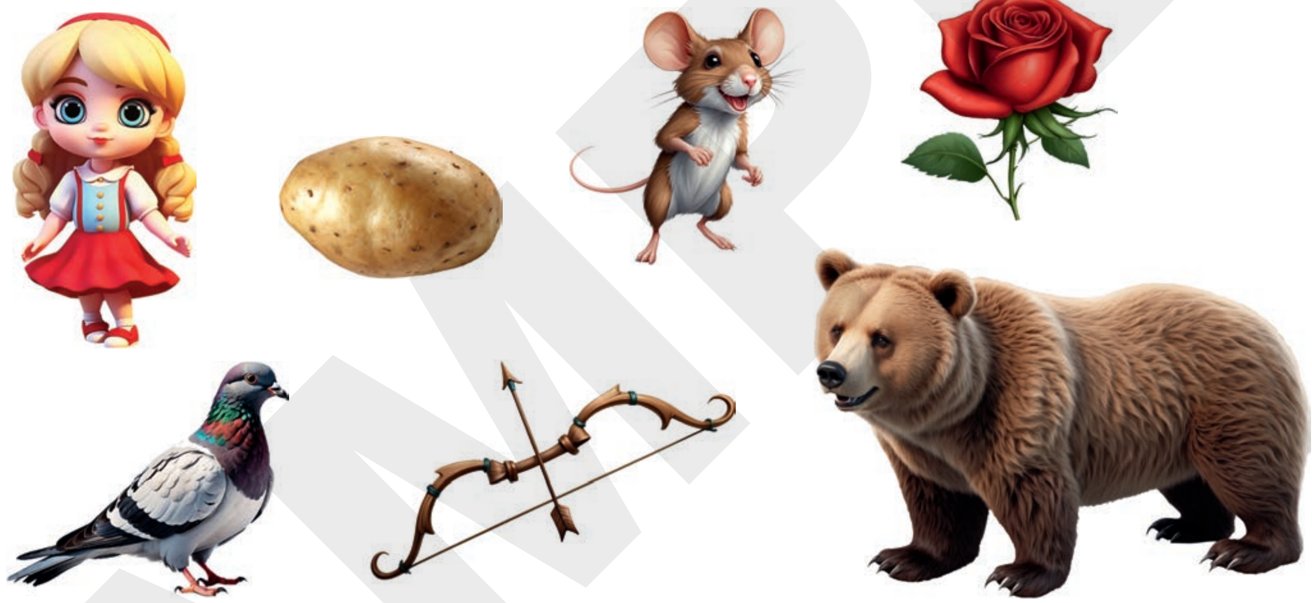

उ ....

ऊ ....

3. सही शब्द चुनकर खाली स्थानों में भरिए–

भालू ने .... खाया। (आलू/अमरूद)

.... ने नाचकर दिखाया। (भालू/आलू)

चूहे ने भी .... खाया। (आलू/फूल)

राजू मदारी .... लाया। (कबूतर/तोता)

SAMPLE

10 ऋ की मात्रा –(ृ)

म + ृ + ग = मृग

ग + ृ + ह = गृह

व + ृ + क्ष = वृक्ष

म + ा + त + ृ = मातृ

ऋण	घृत	तृण	दृग	मृत	मृग
ऋषि	कृषि	कृति	तृषा	मृषा	मृदा
ऋचा	कृपा	घृणा	भृगु	मृदु	वृथा
कृष	दृढ़	नृप	पितृ	मातृ	वृक्ष

ऋषभ	कृषक	पृथक	वृषभ	वृहत
अमृत	अमृता	दृढ़ता	मृगया	सदृश
कृपाण	कृतज्ञ	तृतीय	जागृत	मृदुल

ऋ + ि + ष = ऋषि

अमृतसर	मृगशिरा	मातृभूमि	वृंदावन	सहृदय
कृपालु	कृतज्ञता	गृहपति	गृहिणी	गृहस्थी

क + ृ + ष + क = कृषक

न + ृ + प = नृप

SAMPLE

बोलकर पढ़िए और समझिए।

अमृत ऋषि की कुटिया तक जा। ऋषि की कृपा पाकर कृषि का काम कर। ऋषि की तरह कृपालु बन। मृदुभाषी बन। घृत-चीनी खा। हर जीव पर कृपा कर। हृदय साफ रख। कभी घृणा मत कर। मातृभूमि को नमन कर।

अभ्यास

1. **अक्षरों के साथ 'ऋ' की मात्रा (ृ) लगाकर शब्द बनाइए।**

अ + म + ... + त = ...

क + ... + पा = ...

क + ... + पा + लु = ...

घ + ... + त = ...

म + ... + दु + भा + षी = ...

ह + ... + द + य = ...

2. **एक शब्द में उत्तर दीजिए।**

(क) अमृत किसकी कुटिया पर गया? ....

(ख) ऋषि किस पर कृपा करते हैं? ....

(ग) हमें किसको नमन करना चाहिए? ....

3. **चित्र पहचानकर नाम लिखिए।**

....

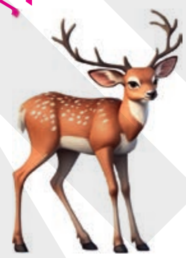

....

....

....

....

....

4. **सुलेख लिखिए।**

हृदय साफ रख। ....

हर जीव पर कृपा कर। ....

मातृभूमि को नमन कर। ....

SAMPLE

11

ए की मात्रा –(ए 'े')

स + े + ब = सेब

स + प + े + र + ा = सपेरा

क + े + ल + ा = केला

श + े + र = शेर

घेर	देर	फेर	बेर	शेर
खेल	झेल	तेल	बेल	मेल
केला	खेला	चेला	ठेला	बेला
केक	टेक	देख	नेक	फेंक
चचेरा	ठठेरा	बसेरा	सपेरा	सवेरा
अकेली	चमेली	पहेली	सहेली	हवेली

प + े + ड़ = पेड़

उमेश	मुकेश	महेश	रमेश	सुरेश
जयदेव	नरदेव	महादेव	सुखदेव	सहदेव

ठ + ठ + े + र + ा = ठठेरा

र + े + ल = रेल

म + े + ज = मेज

SAMPLE

बोलकर पढ़िए और समझिए–

सितारे	किनारे	मिलते	जुलते	खिलते
रेशम	सेवक	केसर	सफेद	हवेली
दिनेश	रमेश	राकेश	झमेला	पहेली

सेवाराम	रेलगाड़ी	लालटेन	मेहमान
पेशावर	पहरेदार	थानेदार	मलेरिया

बच्चो, पढ़िए और गाइए–

रमेश एक बहेलिया था,
उसने पेड़ के नीचे जाल बिछाया।
कबूतर दाने देख नीचे उतरे।
अब वे एक साथ उड़े।
वे चूहे के पास गए।
चूहे ने जाल काट दिया,
सारे कबूतर उड़ गए।

अध्यापन संकेत – इस पाठ में 'ए' की मात्रा (े) का अभ्यास करवाया गया है। बच्चों को 'ए' तथा 'ऐ' की मात्रा के बीच का अंतर बताएँ तथा कुछ अन्य शब्दों का अभ्यास भी करवाएँ।

SAMPLE

अभ्यास

1. वर्णों के साथ 'ए' की मात्रा (े) लगाकर शब्द बनाइए–

म + ... + ला = ... ग + ण + ... + श = ...

ख+ .... + ल = ... क + प + ड़ + ... = ...

च + म + ... + ली = ... न + ... + व + ला= ....

2. चित्र पहचानकर उनके नाम लिखिए–

3. वर्णों का क्रम ठीक करके शब्द बनाइए–

ल के ड़ = ... जे रा व त = ...

र शे वा नी = ... ला टे न ल = ...

र दा म जे = ... ला मे = ...

4. सही वर्ण चुनकर खाली स्थानों में भरिए–

चू .... ने जाल काट दिया। (हे / ले)

र .... श एक बहेलिया था। (ले / मे)

सा .... कबूतर उड़ गए। (के / रे)

SAMPLE

ऐ की मात्रा- (ऐ 'ै')

थ + ै + ल + ा = थैला

प + ै + स + ा = पैसा

म + ै + न + ा = मैना

प + ै + र = पैर

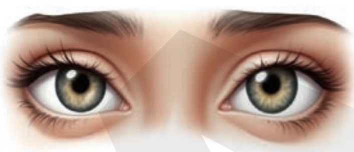

न + ै + न = नैन

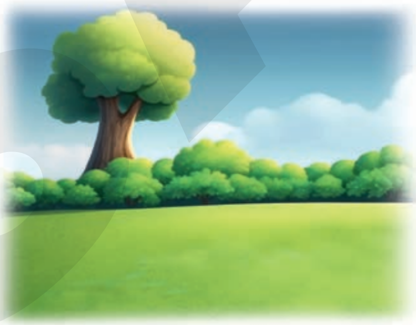

म + ै + द + ा + न = मैदान

चैन	जैन	नैन	रैन
खैर	पैर	बैर	सैर
थैली	फैली	मैली	शैली
छैल	बैल	मैल	शैल
कैसा	जैसा	पैसा	वैसा

मैदान	शैतान	हैवान	हैरान
कैलाश	फैजाबाद	बैजनाथ	हैदराबाद

ब + ै + ल = बैल

SAMPLE

बोलकर पढ़िए और समझिए–

जैतून	तैयार	पैदल	फैशन
सैनिक	कैमरा	हैरान	ततैया
दैनिक	फैलना	तैरना	लठैत
बैठक	मैडल	शैतान	सुरैया

बैलगाड़ी	कैदखाना	नैनीताल
बैजनाथ	खपरैल	हैदरअली

बच्चो, पढ़िए और गाइए–

देख राजा, मैना रानी!

चैन से बैठी मैना रानी।

मैना मीठे गीत सुनाती है!

वह सबका दिल बहलाती है!

मैना चैन से बैठी बेर खाती।

सुबह शाम वह पीती पानी!

अध्यापन संकेत – इस पाठ में 'ऐ' की मात्रा (ै) का अभ्यास करवाया गया है। बच्चों को 'ऐ' की मात्रा का शुद्ध उच्चारण करवाएँ और कुछ अन्य शब्दों का अभ्यास भी करवाएँ।

SAMPLE

अभ्यास

1. चित्र पहचानकर सही शब्द पर (✓) का चिह्न लगाइए–

- नैया
- मैया
- गैया

- मैना
- बैटरी
- नैना

- थैला
- पैसा
- ऐनक

- कैमरा
- अटैची
- सैनिक

2. वर्णों के साथ 'ऐ' की मात्रा (ै) लगाकर शब्द बनाइए–

ब + ... + ल = ...	न + ... + न = ...
ल + ठ + ... + त = ...	प + ... + र = ...
न + ... + ति + क = ...	अ + ट + ... + ची = ...

3. 'ए' और 'ऐ' की मात्रा लगाकर बने सही शब्द चुनकर खाली स्थानों में भरिए–

ए	ऐ
....	....
....	....
....	....

मैया शेर थैला सपेरा मेला बैल

SAMPLE

13 ओ की मात्रा-(ो)

म + ो + च + ी = मोची

म + ो + र = मोर

त + ो + त + ा = तोता

ट + ो + प + ी = टोपी

खोल	गोल	घोल	तोल	मोल
चोर	छोर	डोर	मोर	शोर
खोटा	छोटा	मोटा	लोटा	सोटा
खोली	गोली	बोली	रोली	होली
कोरी	गोरी	चोरी	डोरी	बोरी
गोभी	गोपी	टोपी	मोती	रोटी

ज + ो + क + र = जोकर

गोबर	जोकर	ठोकर	मोटर
कमजोर	कामचोर	जोरशोर	सराबोर

स + म + ो + स + ा = समोसा

ख + र + ग + ो + श = खरगोश

SAMPLE

बोलकर पढ़िए और समझिए–

सोना	लोहा	धोबी	गोभी	रोटी
मोती	छोटी	सोटी	डोरी	लोरी
खोल	गोल	पोल	मोटा	तोल

समोसा	चोकर	कोमल	ढोलक
कमजोर	अखरोट	दालमोठ	टेलीफ़ोन
खरगोश	सोमवार	दोपहर	मनोहर

बच्चो, पढ़िए–

आज होली है। बच्चो टोली बनाकर होली खेलो। सोहन ढोलक बजाओ। आज सोमवार का दिन है। कोयल पेड़ पर बैठी है। मोहन बाजार जाकर समोसे ला। सोनिया भोजन बनाओ। शोर मत करो। कई लोग घर आए। सभी नाचो, गाओ, खुशी मनाओ। सदा सच बोलो। चोरी करना बुरा है। मोर दिल खोलकर खूब नाचा।

अध्यापन संकेत – इस पाठ में 'ओ' की मात्रा (ो) का अभ्यास करवाया गया है। बच्चों को 'ओ' तथा 'औ' की मात्रा के बीच का अंतर बताएँ तथा कुछ अन्य शब्दों का अभ्यास भी करवाएँ।

SAMPLE

अभ्यास

1. वर्णों के साथ 'ओ' की मात्रा (ो) लगाकर शब्द बनाइए।

क+ .... +य+ल =	....	म+ .... +ह =	....
भ+ .... +ली =	....	म+ .... +र =	....
त+ .... +ता =	....	घ+न+घ+ .... +र =	....

2. एक शब्द में उत्तर दीजिए–

(क) पेड़ पर कौन बैठी है? ....

(ख) भोजन किसने बनाया? ....

(ग) पंख फैलाकर कौन नाचता है? ....

3. चित्र पहचानकर सही शब्दों से मिलाइए।

मोर

कोयल

खरगोश

ढोलक

तोता

ओढ़नी

4. सुलेख लिखिए।

तोता बोले राम–राम काम करो छोड़ो आराम

....

....

SAMPLE

14

औ की मात्रा -(औ ौ')

न + ौ + क + ा = नौका   क + ौ + ड़ + ी = कौड़ी   क + ौ + अ + ा = कौआ

ह + थ + ौ + ड़ + ी = हथौड़ी

कौन	जौन	पौन	मौन
और	गौर	दौर	सौर
कौड़ी	चौड़ी	दौड़ी	पौड़ी
चौका	नौका	भौंका	मौका
कौरव	गौरव	नौकर	सौरभ

प + क + ौ + ड़ + ी = पकौड़ी

कचौड़ी	पकौड़ी	मनौती	हथौड़ी
औजार	गौतम	बौछार	मौसम

त + ौ + ि + ल + य + ा = तौलिया

ल + ौ + क + ी = लौकी

अ + ौ + र + त = औरत

SAMPLE

बोलकर पढ़िए और समझिए–

नौकर	हथौड़ा	चौदह	चौबारा
कौशल	खिलौना	दौलत	चौबीस

सौदागर	फौजदारी	चौकीदार
नौजवान	जौनपुरी	मौजपुर

बच्चो, पढ़िए–

आज मौसम सुहावना है। सौरभ अपने मित्र गौरव के साथ सैर कर रहा है। मौसाजी जौनपुर से आए। वे गौरी के लिए एक खिलौना लाए। कौआ दीवार पर बैठा है। हमने अपनी मौसी के साथ नौका की सैर की। तौलिए से हाथ साफ करो। नौकर बाजार से दौड़कर सौदा लाया।

अध्यापन संकेत – इस अध्याय में बच्चों को 'औ' की मात्रा (ौ) का अभ्यास करवाया गया है। बच्चों को 'औ' की मात्रा का शुद्ध उच्चारण करवाएँ और कुछ अन्य शब्दों का अभ्यास भी करवाएँ।

SAMPLE

अभ्यास

1. वर्णों के साथ 'औ' की मात्रा (ौ) लगाकर शब्द बनाइए–

प + क + ... + ड़ी = ... फ + ... + जी = ...

खि + ल .... + ना = ... अ + ... +ष + धि = ...

बि + छ + ... + ना = ... स + ... + र + भ = ...

2. दिए गए चित्र में ओ तथा औ की मात्रा वाले शब्द छाँटकर रिक्त स्थानों में लिखिए–

ओ	औ
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

3. वर्णों का क्रम ठीक करके शब्द बनाइए–

ना बौ = ... ज वा नौ न = ...

की लौ = ... आ को = ...

स मौ म = ... छौ ना बि = ...

SAMPLE

15 'अं' की मात्रा (ं)- अनुस्वार

प + त + ं + ग = पतंग   अ + ं + गू + र = अंगूर   झ + ं + ड + ा = झंडा

अंग	गंध	तंग	दंग	बंद	रंग
अंश	कंस	डंक	रंक	वंश	हंस
अंडा	झंडा	ठंडा	डंडा	पंडा	बंडा
गंगा	चंगा	दंगा	नंगा	फंदा	मंदा
अंधा	कंधा	कंघा	गंडा	जंघा	धंधा
गंदा	चंदा	नंदा	पंखा	बंदा	रंगा

श + ं + ख = शंख

चंचल	जंगल	पतंग	पलंग	बंगाल	मंगल
अंजन	इंजन	कंगन	चंदन	नंदन	वंदन
अंदर	अंगूर	पंजर	बंदर	शंकर	सुंदर

इ + ं + ज + न = इंजन

पंचायत	पगडंडी	पचरंगा	शिवगंगा	शतरंज
कलंदर	चुकंदर	छछूंदर	समंदर	सिकंदर

ह + ं + स = हंस   ब + ं + द + र = बंदर   प + ं + ख = पंख

SAMPLE

बोलकर पढ़िए और समझिए–

जंग	धंधा	गंगाराम	डंडा	रंग
अंडा	कंगन	भंग	अंधा	लंका

कंधा	तंग	चंदा	हंस	कंस
पतंग	शंका	पलंग	डंका	पंखा

बच्चो, पढ़िए–

आज मंगलवार है। आनंद शंकर के साथ जंगल में गया है। जंगल में मंदिर भी है। गंगा नदी में हंस तैर रहे हैं। मंदिर में शंख और घंटे बज रहे हैं। लंगूर लपककर अंगूर खा गया। मंदिर पर झंडा लहरा रहा है। हम भी तिरंगा झंडा फहराते हैं। आनंद पतंग उड़ा रहा है।

SAMPLE

अभ्यास

1. वर्णों के साथ 'अं' की मात्रा (ं) लगाकर शब्द बनाइए–

ब+.....+द+र= .... सु+.....+द+र= ....

ज+.....+ग+ल = ... म+.....+ज+न= ....

क+.....+ग+न= .... झ+.....+डा= ....

2. चित्र पहचानकर उनके नाम लिखिए–

....

3. सही शब्द से खाली स्थान भरिए।

अंगूर झंडा जंगल पतंग मंदिर

(क) आनंद शंकर के साथ .... में गया है।

(ख) जंगल में .... भी है।

(ग) लंगूर लपककर .... खा गया।

(घ) मंदिर पर .... लहरा रहा है।

(ङ) आनंद .... उड़ा रहा है।

4. सुलेख लिखिए।

मंदिर में घंटी और शंख बज रहे हैं। ....

बंदर बहुत ही चंचल होता है। ....

SAMPLE

16 चंद्रबिंदु (ँ) का प्रयोग

ऊ + ँ + ट = ऊँट   अ + ा + ँ + ख = आँख   ट + ा + ँ + ग = टाँग

खाँसी फाँसी बाँस साँस साँप साँझ
काँव गाँव छाँव ठाँव फाँद माँद
कहाँ कुआँ जहाँ धुआँ यहाँ वहाँ
गूँगा गेहूँ पूँछ मूँछ मुँह हाँफ
ऊँच ऊँट घूँट फूँक बूँद मूँद

ब + ा + ँ + स + ु + र + ी = बाँसुरी

द + ा + ँ + त = दाँत

आँवला आँचल चाँदनी बाँसुरी साँवली
उँगली ऋतुएँ टँगड़ी माँगना लँगड़ी
अँगीठी अँगूठा आँगन धँसना हँसना

अँगड़ाई कलियाँ तितलियाँ लड़कियाँ लकड़ियाँ सवारियाँ
चिड़ियाँ टहनियाँ थालियाँ पगड़ियाँ परछाइयाँ मछलियाँ

च + ा + ँ + द = चाँद   अ + ँ + ग + ू + ठ + ा = अँगूठा

SAMPLE

बोलकर पढ़िए और समझिए।

शंकर और संजय दोनों शहर से लौट रहे थे। उनका गाँव चाँदपुर अभी पाँच किलोमीटर दूर था। अचानक आकाश में काले-काले बादल घिर आए। तेज आँधी आई और बूँदें गिरने लगीं। शंकर ने ताँगेवाले से कहा-"भैया जी, अपने ताँगे को थोड़ा और तेज दौड़ाओ।" ताँगेवाला बोला-"क्या करूँ शंकर! घोड़ा थककर हाँफ और काँप रहा है। इसकी आँखों में धूल गिर गई है। तभी शंकर ने एक लँगड़े आदमी को देखा-"अरे, यह तो अपने गाँव का साँवला है। बेचारा, एक पाँव से लँगड़ा है। उसके एक हाथ में बाँसुरी भी है। वह मधुर बाँसुरी बजाता है। वह बहुत ही हँसमुख है। आओ, उसे भी ताँगे में बैठा लें। सदा सबकी सहायता करनी चाहिए।"

SAMPLE

अभ्यास

1. सही अक्षर पर चंद्रबिंदु (ँ) लगाकर शब्द पूरे कीजिए।

आख – आँख	कुआ –	आगन – ....
दात –	काटा –	अगूठा – ....
मुह –	खासी –	ऊट – ....

2. एक शब्द में उत्तर दीजिए।

(क) शंकर और संजय कहाँ से लौट रहे थे? ....

(ख) काले बादल कहाँ आए? ....

(ग) थककर कौन हाँफ और काँप रहा है? ....

(घ) आदमी के हाथ में क्या था? ....

3. चित्र पहचानकर नाम लिखिए।

....

....

4. सुलेख लिखिए।

चाँदपुर गाँव पाँच किलोमीटर दूर था। ....

साँवला बाँसुरी बजाता है। ....

SAMPLE

17 'अः' की मात्रा (:)–विसर्ग

न + म + : = नमः द + ु + : + ख + ी = दु:खी प + ्र + ा + त + : + क + ा + ल = प्रात:काल

अ:	अह:	छ:	छि:	दु:ख	पुन:
अत:	अध:	नम:	प्रात:	प्राय:	शनै:

अंतत:	क्रमश:	नि:संकोच	नि:सहाय	फलत:	मूलत:
अक्षरश:	अंत:करण	दु:साहस	नि:संदेह	संभवत:	साधारणत:

बोलकर पढ़िए और समझिए।

अशोक प्रात:काल पाँच बजे उठता है। उठकर माता-पिता को प्रणाम करता है। वह प्रात: सैर करने जाता है। छ: बजे नहाता है। "ओ३म् नम: शिवाय" का जाप करता है। फिर क्रमश: अपना पाठ याद करता है। अपने बड़ों की आज्ञा का अक्षरश: पालन करता है। फलत: वह परीक्षा में सफल होता है। वह कभी दु:साहस नहीं करता है। वह नि:सहाय की सहायता

SAMPLE

करता है। कभी किसी को दु:ख नहीं देता है। प्राय: लोग ऐसा नहीं करते हैं। फलत: वे दु:ख उठाते हैं। प्राय: लोग भगवान को भूल जाते हैं। नि:संदेह उससे बड़ा कोई नहीं है। वह पुन:-पुन: हमारी सहायता करता है।

अभ्यास

1. विसर्ग (:) लगाकर इन शब्दों को ठीक करके लिखिए।

फलत –	प्रात –	निसंदेह – ....
अत –	नम –	अंतत – ....
प्राय –	दुख –	निसंकोच – ....

2. एक शब्द में उत्तर दीजिए।

(क) पाँच बजे कौन उठता है? ....

(ख) अशोक किसका जाप करता है? ....

(ग) अशोक किसकी सहायता करता है? ....

(घ) हमारी सहायता कौन करता है? ....

3. सुलेख लिखिए।

प्रात:काल	नि:सहाय	अक्षरश:	पुन:-पुन:
....	....	....	....
....	....	....	....

SAMPLE

18

र - रेफ (र्) का प्रयोग

क + ण + र् = कर्ण

स + ू + य + र् = सूर्य

न + स + र् = नर्स

कर्म	चर्म	धर्म	नर्म	मर्म	शर्म
गर्म	तर्क	दर्प	फर्क	बर्फ	सर्प
गर्त	चर्च	पर्त	वर्ष	शर्त	हर्ष
अर्थ	अर्ध	गर्व	दर्द	पर्व	सर्द
आर्य	कार्य	चार्ट	पार्क	पार्थ	शार्क

ब + त + र् + न = बर्तन

द + प + र् + ण = दर्पण

अर्पण	कर्कश	दर्पण	घर्षण	तर्पण
गर्जन	तर्जन	दर्जन	दर्शन	पर्वत
दर्शक	निर्बल	निर्मल	नर्तक	बर्तन

आशीर्वाद	कार्यशाला	धर्मावतार	वर्गाकार	सर्पाकार
जनार्दन	दार्शनिक	धर्मवीर	धर्मशाला	शर्मनाक

द + ा + श + र् + ि + न + क = दार्शनिक

स + र् + प = सर्प

SAMPLE

बोलकर पढ़िए और समझिए।

सूर्य सदैव पूर्व दिशा में निकलता है। कर्मवीर सूर्य के उगने से पूर्व उठ जाता है। गर्मी, वर्षा व सर्दी–तीनों ऋतुओं में उसका यही नियम है। सबसे पहले वह सूर्य भगवान की पूजा–अर्चना करता है। फिर धर्म–कर्म के सभी कार्य संपूर्ण करता है। वह बहुत ही कर्मठ कृषक है।

गर्मी की ऋतु में मौसम बहुत गर्म होता है। तब हम ठंडे पेय पदार्थों का सेवन करते हैं। उसके बाद वर्षा ऋतु आती है। खूब वर्षा होती है। चारों ओर जल ही जल हो जाता है। सर्दी की ऋतु में बहुत अधिक ठंड पड़ती है। ठंड से बचने के लिए हम गर्म कपड़े पहनते हैं। ये ऋतुएँ नियम से हर वर्ष आती–जाती रहती हैं।

SAMPLE

अभ्यास

1. सही अक्षर पर रेफ (ँ) का प्रयोग करके ठीक शब्द लिखिए।

दजन – ………… वगाकार – ………… पूण – …………

दशन – ………… कायशाला – ………… वषा – …………

निमल – ………… धमशाला – ………… सपाकार – …………

2. एक शब्द में उत्तर दीजिए।

(क) सूर्य किस दिशा से निकलता है? …………………

(ख) कर्मवीर कैसा कृषक है? …………………

(ग) ठंड से बचने के लिए हम कैसे कपड़े पहनते हैं? …………………

3. चित्र पहचानकर नाम लिखिए।

…………………

…………………

…………………

…………………

…………………

…………………

4. सुलेख लिखिए।

सूर्य गर्मी वर्षा सर्दी अर्चना

………… ………… ………… ………… …………

………… ………… ………… ………… …………

SAMPLE

19

र - पदेन (्र , ्र) का प्रयोग

फ + ्र + ा + ॅ + क = फ्रॉक

अ + ा + म + ्र = आम्र

ड + ्र + म = ड्रम

ब + ्र + श = ब्रश

क्रम	चक्र	ट्रक	भ्रम	वक्र	श्रम
अग्र	भ्रम	उग्र	उम्र	ग्रह	ब्रज
ग्राम	ट्राम	प्रण	व्रत	ह्रास	त्रास
ग्रास	ग्राफ	प्राण	प्रेत	प्रेम	क्रूर
प्रथा	इंद्र	ड्रिल	ड्रेस	पत्र	ब्रुश

अग्रज	अंग्रेज	ड्रापर	प्रहरी	प्रणाम	मद्रास
चंद्रमा	प्रकृति	भ्रमण	त्रिभुज	त्रिलोक	श्रवण
आश्रम	प्रकोप	प्रचार	प्रसार	प्रगाढ़	प्रसाद

च + क + ्र = चक्र

क्रिसमस	ड्राइवर	प्रतिकूल	परिश्रम	परिक्रमा
अग्रसर	महाराष्ट्र	राष्ट्र	राष्ट्रीयता	श्रमिक

ि + क + ्र + स + म + स = क्रिसमस

च + ं + द + ्र + म + ा = चंद्रमा

SAMPLE

बोलकर पढ़िए और समझिए।

प्रकाश परिश्रमी लड़का है। प्रातः उठता है। वह अपने मित्र प्रभात के साथ प्रातः भ्रमण के लिए जाता है। भ्रमण से आने के बाद वह नहाता है। फिर अपना पाठ याद करता है। वह सुबह–शाम नियमित रूप से अपना पाठ याद करता है। वह परिश्रम से कभी पीछे नहीं हटता। वह गृहकार्य करने के बाद ही विश्राम करता है। वह परीक्षा में सदैव प्रथम श्रेणी प्राप्त करता है। हम सभी को श्रम करते रहना चाहिए। हमें भ्रम छोड़कर सही मार्ग पर चलना चाहिए। श्रम का फल सदैव मीठा होता है। हमें अपना कार्य शीघ्र करना चाहिए। अपने गुरुजनों को प्रणाम करना चाहिए।

अभ्यास

1. **उचित अक्षर पर र – पदेन का (्र या ्र) प्रयोग करके इन शब्दों को ठीक करके लिखिए।**

पकोप –	....	वज –	....	टक –	....
चक –	....	गास –	....	पेत –	....
भम –	....	भाता –	....	धुव –	....

2. **एक शब्द में उत्तर दीजिए।**

(क) परिश्रमी लड़का कौन है? ....

(ख) प्रकाश गृहकार्य करने के बाद क्या करता है? ....

(ग) प्रकाश परीक्षा में कौन–सी श्रेणी प्राप्त करता है? ....

(घ) श्रम का फल कैसा होता है? ....

3. **चित्र पहचानकर नाम लिखिए।**

....

....

....

....

....

....

4. **सुलेख लिखिए।**

प्रकाश परिश्रमी लड़का है। ....

हमें अपना कार्य शीघ्र करना चाहिए। ....

SAMPLE

20

आधे अक्षर

ब + च् + च + ा = बच्चा म + क् + ख + ी = मक्खी प + त् + त + ा = पत्ता

क	क्	ख	ख्	ग	ग्	घ	घ्	ङ	×
च	च्	छ	×	ज	ज्	झ	झ्	ञ	ञ्
ट	ट्	ठ	×	ड	ड्	ढ	×	ण	ण्
त	त्	थ	थ्	द	द्	ध	ध्	न	न्
प	प्	फ	फ्	ब	ब्	भ	भ्	म	म्
य	य्	र	्र	ल	ल्	व	व्	श	श्
ष	ष्	स	स्	ह	ह्	क्ष	क्ष्	त्र	त्र्

ख्याल	मक्का	रस्सी	व्यञ्जन	विघ्न	सुग्गा
छज्जा	झञ्झर	तथ्य	पुण्य	बच्चा	लस्सी
खड्ग	गन्ना	चिह्न	दफ्तर	पत्थर	लट्टू
गद्दा	चम्पा	चम्बा	रम्भा	लक्ष्य	सभ्य
कष्ट	प्यास	पुष्प	व्यास	शब्द	श्वेत

उदाहरण देखकर शब्द बनाइए।

च + क् + क + ा = चक्का

ज् + व + र = ... अ + ड् + ड + ा = ...

स + ख् + त = ... ब + ग् + घ + ी = ...

भ + क् + त = ... प् + य + ा + ज = ...

SAMPLE

21 संयुक्त अक्षर वाले शब्द

क्ष, त्र, ज्ञ, श्र संयुक्त व्यंजन हैं।

क् + ष = क्ष	त् + र = त्र	ज् + ञ = ज्ञ	श् + र = श्र

क्ष+ि+त्र+य=क्षत्रिय ि+त्र+श+ू+ल=त्रिशूल ज्ञ+ा+न+ी=ज्ञानी श्र+ि+म+क=श्रमिक

कक्षा	छत्र	पत्र	यक्ष
अश्रु	आश्रम	त्रिकोण	ज्ञान
प्रज्ञा	सूत्र	ज्ञाता	श्रमिक
वृक्ष	क्षण	क्षमा	श्रम
क्षमा	क्षत्रिय	ज्ञानी	श्रद्धा

उदाहरण देखकर शब्द बनाइए।

क्ष + म + ा = क्षमा

अ + श्र + ु = ...

ज्ञ + ा + त + ा = ...

श्र + ि + म + क = ...

क्ष + ण = ...

श्र + म = ...

प + त्र = ...

आ + ा + श्र + म = ...

SAMPLE

22

बारहखड़ी

क	का	कि	की	कु	कू	के	कै	को	कौ	कं	कः
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खे	खै	खो	खौ	खं	खः
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गे	गै	गो	गौ	गं	गः
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घे	घै	घो	घौ	घं	घः
च	चा	चि	ची	चु	चू	चे	चै	चो	चौ	चं	चः
छ	छा	छि	छी	छु	छू	छे	छै	छो	छौ	छं	छः
ज	जा	जि	जी	जु	जू	जे	जै	जो	जौ	जं	जः
झ	झा	झि	झी	झु	झू	झे	झै	झो	झौ	झं	झः
ट	टा	टि	टी	टु	टू	टे	टै	टो	टौ	टं	टः
ठ	ठा	ठि	ठी	ठु	ठू	ठे	ठै	ठो	ठौ	ठं	ठः
ड	डा	डि	डी	डु	डू	डे	डै	डो	डौ	डं	डः
ढ	ढा	ढि	ढी	ढु	ढू	ढे	ढै	ढो	ढौ	ढं	ढः
ण	णा	णि	णी	णु	णू	णे	णै	णो	णौ	णं	णः
त	ता	ति	ती	तु	तू	ते	तै	तो	तौ	तं	तः
थ	था	थि	थी	थु	थू	थे	थै	थो	थौ	थं	थः
द	दा	दि	दी	दु	दू	दे	दै	दो	दौ	दं	दः
ध	धा	धि	धी	धु	धू	धे	धै	धो	धौ	धं	धः

SAMPLE

न	ना	नि	नी	नु	नू	ने	नै	नो	नौ	नं	नः
प	पा	पि	पी	पु	पू	पे	पै	पो	पौ	पं	पः
फ	फा	फि	फी	फु	फू	फे	फै	फो	फौ	फं	फः
ब	बा	बि	बी	बु	बू	बे	बै	बो	बौ	बं	बः
भ	भा	भि	भी	भु	भू	भे	भै	भो	भौ	भं	भः
म	मा	मि	मी	मु	मू	मे	मै	मो	मौ	मं	मः
य	या	यि	यी	यु	यू	ये	यै	यो	यौ	यं	यः
र	रा	रि	री	रु	रू	रे	रै	रो	रौ	रं	रः
ल	ला	लि	ली	लु	लू	ले	लै	लो	लौ	लं	लः
व	वा	वि	वी	वु	वू	वे	वै	वो	वौ	वं	वः
श	शा	शि	शी	शु	शू	शे	शै	शो	शौ	शं	शः
ष	षा	षि	षी	षु	षू	षे	षै	षो	षौ	षं	षः
स	सा	सि	सी	सु	सू	से	सै	सो	सौ	सं	सः
ह	हा	हि	ही	हु	हू	हे	है	हो	हौ	हं	हः
क्ष	क्षा	क्षि	क्षी	क्षु	क्षू	क्षे	क्षै	क्षो	क्षौ	क्षं	क्षः
त्र	त्रा	त्रि	त्री	त्रु	त्रू	त्रे	त्रै	त्रो	त्रौ	त्रं	त्रः
ज्ञ	ज्ञा	ज्ञि	ज्ञी	ज्ञु	ज्ञू	ज्ञे	ज्ञै	ज्ञो	ज्ञौ	ज्ञं	ज्ञः
श्र	श्रा	श्रि	श्री	श्रु	श्रू	श्रे	श्रै	श्रो	श्रौ	श्रं	श्रः

SAMPLE